जड़ी-बूटी व कंद-मूल को करें संरक्षित : मंत्री

अपील

- जैव विविधता पर राज्यस्तरीय सम्मेलन
- मंत्री ने ऑनलाइन लोगों को किया संबोधित

लहेरियासराय, एक संवाददाता। पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार सरकार के मंत्री प्रेम कुमार ने लोगों से जड़ी-बूटी व कंद-मूल को संरक्षित करने की अपील की है। वे मंगलवार को जैव विविधता प्रबंधन समिति के जिलास्तरीय, प्रखंडस्तरीय एवं पंचायतस्तरीय सचिव, अध्यक्ष एवं सदस्यों के साथ राज्यस्तरीय सम्मेलन को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे।

इस कार्यक्रम में दरभंगा एवं मधुबनी जिले की जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्य विडियो कॉनेफ्रेंसिंग के माध्यम से मिथिला वन प्रमंडल, दरभंगा के सभागार एवं विभिन्न प्रखंडों के एनआईसी से जुड़े थे। मंत्री ने जैव विविधता के विभिन्न अवयवों एवं व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, सुखाड़-बाढ़ तथा अन्य पर्यावरणीय समस्याओं पर भी चर्चा की। उन्होंने आने वाले समय में जैव विविधता प्रबंधन समिति को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रयास किये जाने पर बल दिया।

सचिव वन्दना प्रेयसी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख) एन जवाहर बाबू व बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के अध्यक्ष भरत ज्योति ने भी विचार रखे। इसके अतिरिक्त विभिन्न जिलों से समिति सदस्यों ने अपने विचार एवं सुझाव रखे।ष दरभंगा जिले से एक सदस्य के नाम प्रत्येक पंचायत में एक भू-भाग वन विभाग को हस्तांतरित करने का सुझाव दिया गया, जिसमें वन विभाग की ओर से औषधीय पौधशाला बनाया जा सके। वन प्रमंडल पदाधिकारी, मिथिला वन प्रमंडल, दरभंगा भास्कर चन्द्र भारती ने सभी प्रतिभागियों को जैव विविधता प्रबंधन समिति के महत्व के बारे में बताया व समिति के सदस्यों से विचार व सुझाव उपलब्ध कराने का आग्रह किया। मौके पर विभिन्न जैव विविधता प्रबंधन समिति के 400 से अधिक सदस्यों के अतिरिक्त अपर समाहर्ता नीरज कुमार दास, वनों के क्षेत्र पदाधिकारी अर्जुन प्रसाद गुप्ता, मिथिला वन प्रमंडल के कर्मी आदि शामिल थे।

वर्चुअल बैठक में वन व वृक्ष संरक्षण पर जोर

जाले। प्रखंड मुख्यालय स्थित आईटी भवन के सभागार में मंगलवार को राज्य मंत्री डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में जैव विविधता प्रबंधन समितियों की वर्चुअल बैठक हुई। इसमें प्रखंड की सभी पंचायतों एवं प्रखंड की जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्यों ने भाग लिया। प्रखंड उप वन परिसर पदाधिकारी पवन कुमार ने संबंधित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने सरकारी एवं निजी जमीन पर पौधारोपण के लिए सभी लोगों को प्रेरित किया।